समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास - 1 (कक्षा - 8)

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

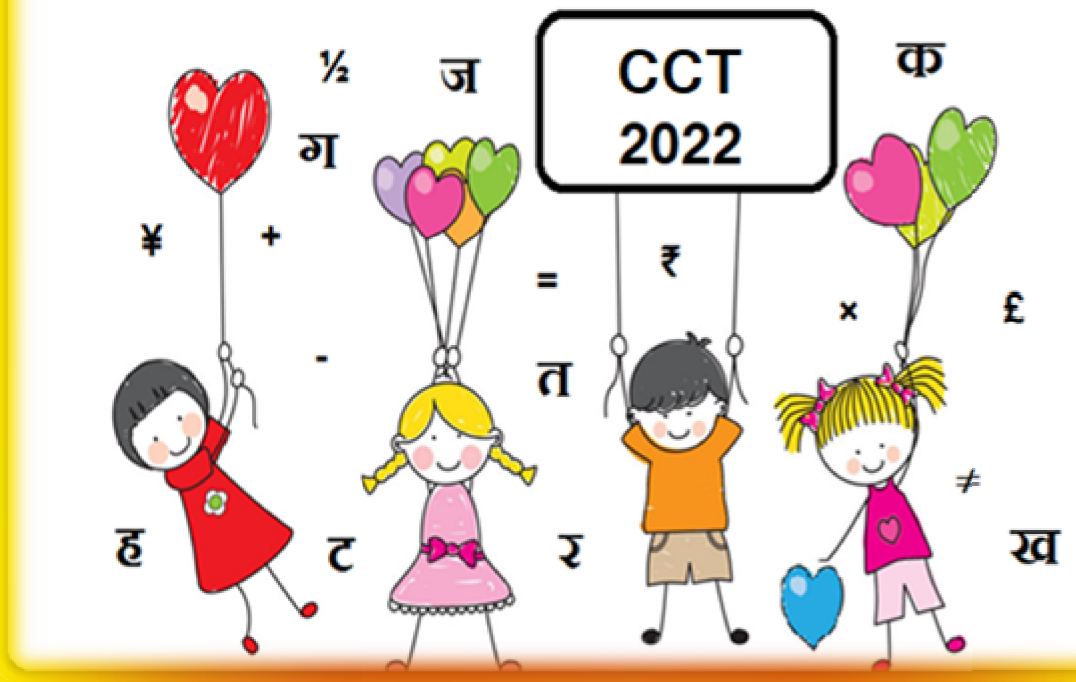

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्या श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्या श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़

दिशा निर्देश

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक : एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class : 8 Part - 1 आयु वर्ग : 14 - 15			
Serial No. प्रतिमान संख्या	**Name of the Module प्रतिमान का नाम**	**Taxonomy**	**Source**	**Page No.**
1	बस की यात्रा	Understand Analyze	पाठ्य पुस्तक	5
2	लाख की चूड़ियाँ	Understand Evaluate	पाठ्य पुस्तक	8
3	चिट्ठियों की अनूठी दुनियाँ	Remember Analyze	पाठ्य पुस्तक	12
4	क्या निराश हुआ जाए	Remember Evaluate	पाठ्य पुस्तक	15
5	कामचोर	Understand Apply	पाठ्य पुस्तक	18
6	जहां पहिया है	Understand create	पाठ्य पुस्तक	21
7	अकबरी लोटा	Remember Apply	पाठ्य पुस्तक	24
8	टोपी	Understand Evaluate	पाठ्य पुस्तक	27
9	फूलों का मेला	Understand Analyze	स्वरचित	30
10	चलते- चलते सीख	Understand Apply	इंटरनेट	33

प्रतिमान - 1

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	**कक्षा - 8**	**भाग - 1**
प्रकार - गद्यांश	**उप विषय (concept) : बस की यात्रा**	
सीखने के प्रतिफल : 802. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री(समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री) आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। 805. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। 809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।		

मौसम बहुत सुहावना था और अब बस की रफ्तार 15 से 20 किलोमीटर हो गई थी। मुझे बस के किसी हिस्से पर भरोसा नहीं रहा था। ब्रेक फ़ेल हो सकता हे, स्टेयरिंग टूट सकता है। प्रकृति के दृश्य बहुत लुभावने थे। दोनों तरफ हरे-भरे पेड़ थे, जिन पर पक्षी बैठे थे। मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था। जो भी पेड़ आता, डर लगता था कि इससे बस टकराएगी। वह निकल जाता तो दूसरे पेड़ का इंतजार करता। झील दिखती तो सोचता कि इसमें बस गोता लगा जाएगी। मुझे अफसोस हो रहा था कि मैंने यात्रा के लिए ऐसी बस को चुना जो इस सफर के लिए उपयुक्त नहीं थी। एकाएक बस रुकी। बाहर देखते हुए मैं सोचने लगा कि आज रोजगारों में वृद्धि के लिए अधिक से अधिक उद्योग धंधे स्थापित किए जा रहे हैं। इसी कारण वनों को काटकर रहने के लिए आवास तथा उद्योगों के लिए बड़ी-बड़ी इमारतें और कारखाने बनाए जा रहे हैं। यह सब होने के कारण ही हमारे देश में प्राकृतिक समस्याएं जैसे सूखा, पर्वत-स्खलन, भूमि-कटाव आदि पैदा हो रहे हैं। मनुष्य के विनाश की शुरुआत हो रही है। इसी से प्रदूषण भी बढ़ रहा है। तभी किसी ने पिछली सीट से आवाज दी, “यह 50 किलोमीटर का सफर न जाने कब समाप्त होगा।” नीचे उतरने पर पता चला कि एक टायर फिस्स करके बैठ चुका है। मज़े की बात यह थी कि बस के हिस्सेदार साहब भी इसी बस में ही सफर कर रहे थे। मन में उनके लिए श्रद्धा भाव

उमड़ पड़े। इतना महान इंसान हमारे साथ सफर कर रहा है। बलिदान की ऐसी भावना विश्व में दुर्लभ है, जानते भी हैं कि बस के टायर खराब है फिर भी हमारे साथ है।

1. अधिक से अधिक उद्योग धंधे किस कार्य के लिए स्थापित नही किए जा रहे है ?

   क) कमाई के लिए ख) विकास के लिए

   ग) रोजगार के लिए घ) घूमने-फिरने के लिए

2. वनों के कटाव से निम्नलिखित कौन-सी समस्या नहीं हो रही है ?

   क) सूखा ख) पर्वत- स्खलन

   ग) भूमि कटाव घ) वाहनों की भीड़

3. वन संरक्षण के लिए आप क्या क्या कर सकते हैं ?

4. प्रदूषण के कौन-कौन से कारण उपरोक्त गद्यांश में वर्णित है ?

5. मान लीजिए 1300 लोग हर महीने रोजगार की तलाश में चंडीगढ़ आते हैं। अप्रैल महीने में लगभग 800 लोग वापस चले जाते हैं। छठ पूजा पर जाने वाले 1500 लोगों में से 700 ही वापस आते हैं। अब बताइए एक वर्ष में रोजगार की तलाश में आने वाले कितने लोग चंडीगढ़ में रुके ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन
4	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	घूमने फिरने
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	वाहनों की भीड़
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	अधिक से अधिक पेड़ लगाना, वनों को काटने से रोकना, लघु उद्योगों को बढ़ावा देना
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	वनों की कटाई,आवासीय क्षेत्र बढ़ाना, उद्योग धंधों के लिए बड़ी-बड़ी इमारतें और कारखाने बनाना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य विकल्प
5.	Full Credit	14000
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : लाख की चूड़ियाँ	
सीखने के प्रतिफल : 801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। जैसे:- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर, पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। 806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे:-जाति, धर्म, रंग ,लिंग,रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं। जैसे:- अपने मोहल्ले के लोगों से त्यौहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। 818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं। जैसे:- विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।		

बदलू यह कार्य सदा ही एक मचिये पर बैठकर किया करता था जो बहुत ही पुरानी थी । बगल में ही उसका हुक्का रखा रहता जिसे वह बीच-बीच में पीता रहता। गाँव में मेरा दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता। वह मुझे 'लला' कहा करता और मेरे पहुँचते ही मेरे लिए तुरंत एक मचिया मंगा देता। मैं घंटों बैठे-बैठे उसे इस प्रकार चूड़ियाँ बनाते देखता रहता। लगभग रोज ही वह चार-छह जोड़े चूड़ियाँ बनाता। पूरा जोड़ा बना लेने पर वह उसे बेलन पर चढ़ाकर कुछ क्षण चुपचाप देखता रहता मानो वह बेलन न होकर किसी नव-वधू की कलाई हो।

बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थी। आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर अवश्य ज़िद पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परन्तु विवाह के अवसर पर वह सारी

कसर निकाल लेता था। आखिर सुहाग के जोड़े का महत्त्व ही और होता है। मुझे याद है, मेरे मामा की लड़की के विवाह पर जरा सी किसी बात पर बिगड़ गया था और फिर उसको मनाने में लोहे लग गए थे। विवाह में इसी जोड़े का मूल्य बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रुपये जो मिलते सो अलग।

यदि संसार में बदलू को किसी बात से चिढ़ थी तो वह थी काँच की चूड़ियों से। यदि किसी भी स्त्री के हाथों में उसे काँच की चूड़ियाँ दिख जाती तो अंदर ही अंदर कुढ़ उठता और कभी-कभी तो दो-चार बातें भी सुना देता।

मुझसे तो वह घंटों बातें किया करता। कभी मेरी पढ़ाई के बारे में पूछता, कभी मेरे घर के बारे में और कभी यों ही शहर के जीवन के बारे में। मैं उससे कहता कि शहर में सब काँच की चूड़ियाँ पहनते हैं तो वह उत्तर देता, "शहर की बात और है, लला! वहाँ तो सभी कुछ होता है। वहाँ तो औरतें अपने मरद का हाथ पकड़कर सड़कों पर घूमती भी हैं और फिर उनकी कलाइयाँ नाजुक होती है न! लाख की चूड़ियाँ पहने तो मोच न आ जाए।"

1. वस्तुओं की खरीदारी में निम्न में से कौन सा माध्यम उपयोग में नहीं लाया जाता है?

क) नकद　　ख) वस्तु विनिमय

ग) डेबिट क्रेडिट कार्ड　　घ) दान देना

2. किसी वस्तु के महँगे अथवा सस्ते होने में कौन-कौन से कारक उत्तरदायी है?

3. हस्तशिल्प संस्कृति के कम होते रुझान के लिए मशीनीकरण कहां तक उत्तरदायी है?

4. मान लो बदलू को 4 साड़ियाँ मिलती हैं और एक साड़ी की कीमत रु 250, दो अनाज की बोरियों की कीमत रु 2000 प्रति बोरी, तीन पगड़ियाँ कीमत रु 200 प्रति और रु 500 के बर्तन। सूची बनाकर बताओ कि बदलू को कुल कितने रुपए का सामान मिला?

5. नीचे विभिन्न पेशों (व्यवसायों) की सूची हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के शब्दों में दी गई है। इन शब्दों का सही मिलान करें -

धातु शिल्प	Stitching
कठपुतली कला	Shoe Making
काष्ठकारी	Crochet
सिलाई	Gardening
जूता निर्माण	Bead-Work
हस्त कढ़ाई	Knitting
बुनाई	Embroidery
मोती का कार्य	Puppetry
क्रोशियाकारी	Wood Work
बागवानी	Metal Craft

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	रचनात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	तुलनात्मक	कठिन
4	सृजन	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	दान
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	बाजार में वस्तु की बढ़ती माँग, वस्तु की प्रसिद्धि, वस्तु की गुणवत्ता
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	मशीनीकरण के कारण लघु उद्योगों की समाप्ति तथा एक मशीन द्वारा 10 से अधिक व्यक्तियों का काम किया जाना अर्थात् बेरोजगारी
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	6100
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य विकल्प
5.	Full Credit	धातु शिल्प- Metal craft कठपुतली बनाना-Puppetry काष्ठकारी- Wood work सिलाई- Stitching जूता निर्माण-Shoe making हस्त कढ़ाई- Hand embroidery बुनाई-knitting मोती का कार्य-Bead work क्रोशियाकारी-Crochet बागवानी-Gardenin
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई पाँच
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 3

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	
सीखने के प्रतिफल : 801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। जैसे:- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर, पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं। 817. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कहीं जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं। जैसे:- स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत करना।		

पत्रों के महत्व और उसकी उपयोगिता हमेशा से बनी रही है। दुनिया का तमाम साहित्य पत्रों पर केंद्रित है और मानव सभ्यता के विकास में इन पत्रों ने अनूठी भूमिका निभाई है। हर एक की अपनी पत्र लेखन कला है। आज भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है ,जो अपने पुरखों की चिट्ठियों को सहेज और संजोकर विरासत के रूप में रखे हुए हैं। यह पत्र अपने आप में अनुसंधान का विषय है। संचार साधनों के तेज विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की आवाजाही प्रभावित हुई है। मोबाइल क्रांति का असर तो घर-घर पहुँच चुका है। परिवार के सदस्य भी आपस में बैठकर बात नहीं करते, अपने अपने मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। अनजानों से बढ़ता प्रेम व अपनों से बढ़ती दूरी का कारण है मोबाइल , क्योंकि हर सेकंड मोबाइल पर कुछ न कुछ नया आता रहता है। घर की समस्याएं पराई हो रही हैं और फालतू भावनात्मक संदेश अपने होते जा रहे हैं। मोबाइल पर अपना कच्चा चिट्ठा खोल देना या दूसरों को पछाड़ देना आसान हो गया है। अराजकतत्वों से ले लेकर शासकों तक की धोंसपट्टी के लिए मोबाइल क्रांति ही जिम्मेदार है। आशा थी कि मोबाइल क्रांति से आर्थिक उन्नति होगी और भूख, धन, सुरक्षा का हल आसान हो

जाएगा परंतु यह संभव न हो सका और अति उपयोग ने स्वास्थ्य को भी दाँव पर लगा दिया है। संचार के तमाम उन्नत साधनों के बाद भी हम पत्रों के महत्त्व को कम नहीं आँक सकते। इनकी भूमिका बहु-आयामी है। आज भी गांवों, दुर्गम स्थानों या गरीब बस्तियों में चिट्ठी या मनी ऑर्डर लेकर पहुंचने वाला डाकिया देवदूत के रूप में देखा जाता है।

1. दुर्गम स्थानों पर व्यक्तिगत संदेश भेजने के लिए किन साधनों का प्रयोग करोगे -

क) पत्र　　ख) टेलीविजन

ग) रेडियो　　घ) अखबार

2. इंटरनेट द्वारा संदेश भेजने में कौन-सा ऐप उपयोगी नहीं है ?

क) व्हाट्सएप　　ख) इंस्टाग्राम

ग) फेसबुक　　घ) गूगल ऐप

3. पारिवारिक सदस्यों के बीच बढ़ती दूरी के लिए मोबाइल जिम्मेदार है। कैसे ?

4. ऐसे कौन से स्थान है, जहां मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित होना चाहिए ?

5. मुकेश ने बाजार से एक पुराना मोबाइल फोन खरीदा। कुछ दिनों के इस्तेमाल के बाद उसने यही मोबाइल फोन अपने एक मित्र को ₹ 4700 में बेच दिया। यदि उसे ₹645 का लाभ हुआ। बताइए उसने मोबाइल फोन कितने रुपए में खरीदा था ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
2	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुनः प्राप्ति	रचनात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	पत्र
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	गूगल एप
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	परिवार के सदस्यों का आपस में बात करने के बजाय मोबाइल पर व्यस्त रहना, अनजानों से बढ़ता प्रेम, अराजकता बढ़ना, भावनाएं समाप्त होना पर भावनात्मक संदेशों का बढ़ता चलन
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	स्कूल-कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए, घर में भोजन करते हुए और परिवार के साथ समय व्यतीत करते हुए, धार्मिक स्थलों पर
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	4700-645 = 4055
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 4

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : क्या निराश हुआ जाए	
सीखने के प्रतिफल : 803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं। जैसे :- अपने आसपास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? 809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।		

एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए गलती से मैंने ₹10 की बजाय ₹100 का नोट दिया और मैं जल्दी-जल्दी गाड़ी में आकर बैठ गया। थोड़ी देर में टिकट बाबू उन दिनों के सेकंड क्लास के डिब्बे में हर आदमी का चेहरा पहचानता हुआ उपस्थित हुआ। उसने मुझे पहचान लिया और बड़ी विनम्रता के साथ मेरे हाथ में ₹90 रख दिए और बोला, "यह बहुत गलती हो गई थी। आपने भी नहीं देखा, मैंने भी नहीं देखा।" उसके चेहरे पर विचित्र संतोष की गरिमा थी। मैं चकित रह गया।

कैसे कहूँ कि दुनिया से सच्चाई और ईमानदारी लुप्त हो गई है, वैसी अनेक अवांछित घटनाएं भी हुई है, परंतु यह एक घटना ठगी और वंचना की अनेक घटनाओं से अधिक शक्तिशाली है।

एक बार में बस में यात्रा कर रहा था मेरे साथ मेरी पत्नी और 3 बच्चे भी थे। बस में कुछ खराबी थी। रुक-रुक कर चलती थी। गंतव्य से कोई 8 किलोमीटर पहले ही एक निर्जन सुनसान स्थान में बस ने जवाब दे दिया। रात के कोई 10:00 बजे होंगे। बस में यात्री घबरा गए। कंडक्टर उतर गया और एक साइकिल लेकर चलता बना। लोगों को संदेह हो गया कि हमें धोखा दिया जा रहा है।

बस में बैठे लोगों ने तरह-तरह की बातें शुरू कर दी। किसी ने कहा, "यहाँ डकैती होती है, दो दिन पहले इसी तरह एक बस को लूटा गया था।" परिवार सहित अकेला मैं ही था। बच्चे पानी-पानी चिल्ला रहे थे। पानी का कहीं ठिकाना न था। ऊपर से आदमियों का डर समा गया था।

कुछ नौजवानों ने ड्राइवर को पकड़कर मारने-पीटने का हिसाब बनाया। ड्राइवर के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगी। लोगों ने उसे पकड़ लिया। वह बड़े कातर ढंग से मेरी ओर देखने लगा और बोला, "हम लोग बस का कोई उपाय कर रहे हैं, बचाइए, यह लोग मारेंगे।" डर तो मेरे मन में था पर उसकी कातर मुद्रा देखकर मैंने यात्रियों को समझाया कि मारना ठीक नहीं है। परंतु यात्री इतने घबरा गए कि मेरी बात सुनने को तैयार नहीं हुए। कहने लगे, "इसकी बातों में मत आइए, धोखा दे रहा है। कंडक्टर को पहले ही डाकुओं के यहाँ भेज दिया है।"

1. बस के खराब होने से सम्बंधित कौन सा तथ्य सही नहीं है?

क)गंतव्य से 4 किलोमीटर पहले ख) निर्जन स्थल पर

ग) रात के 10:00 बजे घ) रुक-रुक कर

2. लेखक अपनी पत्नी और 3 बच्चों सहित बस में यात्रा कर रहा था। बच्चों की उम्र 12 वर्ष से कम है व उनकी टिकट आधी ही लगेगी। यदि एक व्यक्ति की टिकट का मूल्य ₹ 40 है। तब लेखक ने कितनी टिकट ली और टिकट के लिए कितने रुपए खर्च किए?

क) 5, 200 ख) 3½, 140

ग) 3½, 120 घ) 1, 40

3. एक बस 8 किलोमीटर का सफर 10 मिनट में पूरा करती है, तो 5 बसें उसी सफर को कितने समय में तय करेंगी ?

क) 50 मिनट ख) 40 मिनट

ग) 10:00 मिनट घ) 5 मिनट

4. लेखक को कब महसूस हुआ कि दुनिया से सच्चाई और ईमानदारी लुप्त नहीं हुई है?

5. जब भी हमारे जीवन में कोई बुरी घटना होती है तब सब से पहले हमारे मन में नकारात्मक विचार आते है। इन नकारात्मक विचारों पर कैसे विजय प्राप्त की जा सकती है ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	औसत
3	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
4	विवेचन	तथ्यात्मक	कठिन
5	सृजन	रचनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	क)गंतव्य से 4 किलोमीटर पहले
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	140
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	10 मिनट
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	जब टिकट बाबू ने लेखक को ढूँढकर विनम्रता से उनके 90 रूपए वापस किए।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	नकारात्मक विचारों पर सकारात्मक सोच, साहस, विपरीत परिस्थिति में स्वयं को संभाल लेना आदि के आधार पर विजय प्राप्त की जा सकती है।
	Partial Credit	सकारात्मक सोच पर आधारित किसी एक मूल्य की चर्चा।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 5

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : कामचोर	
सीखने के प्रतिफल : 802. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री(समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री) आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। 808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। 811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे :- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।		

"जो काम नहीं करेगा, उसे रात का खाना हरगिज़ नहीं मिलेगा,समझे"। यह शाही फरमान जारी होते ही बच्चों में काम करने का फैसला किया। इसी का परिणाम था कि झाड़ू एक और उम्मीदवार अनेक। झाड़ू के पुर्जे उड़ गए और उल्टे सीधे हाथों से दरी पर झाड़ू लगाना आरंभ कर दिया गया। असल में झाड़ू देने से पहले जरा-सा पानी छिड़क लेना चाहिए था। बस, यह ख्याल आते ही तुरंत दरी पर पानी छिड़का गया। एक तो वैसे ही धूल से अटी हुई थी। पानी पड़ते ही सारी धूल कीचड़ बन गई। अब सब आँगन से निकाल दिए गए। तय हुआ कि पेड़ों को पानी दिया जाए। बस, सारे घर की बाल्टियाँ, लोटे, तसले, भगोने पतीलियाँ लूट ली गई। जिन्हें यह चीजें भी न मिली। वे डोंगे, कटोरे और गिलास ले भागे। अब सब लोग नल पर टूट पड़े। यहाँ भी घमासान मचा कि क्या मजाल जो एक बूंद पानी भी किसी के बर्तन में आ सके? ठूसम-ठास, किसी बाल्टी पर पतीला, पतीले पर लोटा और भगौने और डोंगे। पहले तो धक्के चले फिर कुहनियाँ और उसके बाद बर्तन। फौरन बड़े भाइयों, बहनों, मामू और दमदार मौसियों की कुमुक भेजी गई। फ़ौज मैदान में हथियार फेंककर पीठ दिखा गई।

1. बच्चों ने घर के कौन कौन से बर्तन लूटे ?

2. एक बाल्टी में 20 लीटर पानी भरा जा सकता है तो 500 मिलीलीटर के लोटे से पानी भरने पर बाल्टी में कितने लोटे पानी डालना पड़ेगा?

क) 10 ख) 50

ग) 80 घ) 40

3. बच्चों का झगड़ा समाप्त करवाने के लिए किन्हे भेजा गया?

4. कटोरे व एक दर्जन गिलास खरीदने के लिए कितने रुपए चाहिए?

क) रु 380 ख) रु 350

ग) रु 280 घ) रु 370

5. बच्चों को झाड़ू देने से पहले क्या करना चाहिए था ?

क) धूल साफ करना ख) दरी झाड़ना

ग) धोना घ) पानी छिड़कना

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
2	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	: बाल्टियाँ, लोटे, तसले, भगोने पतीलियाँ, डोंगे, कटोरे, गिलास
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2.	Full Credit	40
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	बड़े भाइयों, बहनों, मामू, दमदार मौसियों की फौज।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	370
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	पानी छिड़कना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 6

स्रोत - पाठ्यपुस्तक (वसंत भाग 3)	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : जहाँ पहिया है	
सीखने के प्रतिफल : 802. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री(समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री) आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। 806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे:-जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं। जैसे:- अपने मोहल्ले के लोगों से त्यौहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। 809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। लिखते हैं। जैसे:- सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि ।		

अपने प्रारंभिक दौर में तमिलनाडु में साइकिल चलाना एक सामाजिक आंदोलन बन गया था। आरंभ में इसका बहुत विरोध हुआ परंतु ग्रामीण महिलाओं ने इसे अपनी स्वाधीनता की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में चुना। महिलाओं को साइकिल चलाना सिखाने के लिए कई प्रशिक्षण-शिविर चलाए गए। विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं ने भी साइकिल चलाना सीखने में उत्साह दिखाया। इनके साथ-साथ महिला खेतिहर मजदूर, पत्थर खदानों में मजदूरी करने वाली महिलाएं, गाँवो में काम करने वाली नर्सें और स्कूल की अध्यापिकाओं आदि ने भी बढ़-चढ़कर उत्साह दिखाया। ग्राम सेविकाएँ और दोपहर का भोजन पहुँचाने वाली औरतें भी पीछे नहीं रही। सबसे बड़ी संख्या उन महिलाओं की थी जो अभी नव-साक्षर हुई थी ।

इस आंदोलन ने महिलाओं को बहुत आत्मविश्वास प्रदान किया, इस कारण उनकी पुरुषों पर निर्भरता कम हो गई। अब वे अपनी साइकिल पर 4 किलोमीटर दूरी से आसानी से पानी भर के ला सकती थी, वही सब्जी बेचने वाली महिलाएं समय पर सब्जी खरीद कर बेच कर अपना समय बचाकर अपने परिवार की तरफ पूरा ध्यान देने लगी। खराब परिवहन-व्यवस्था वाले स्थानों

के लिए तो यह बहुत महत्वपूर्ण है और साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है। अतः कहा जा सकता है कि पहियों की इस खोज के बाद आज तक मानव ने इतनी उन्नति की है। विकास के हर साधन से पहिया जुड़ा है, बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों की मशीनें हो या चांद तथा मंगल पर चलने वाले वाहन, यहां तक कि हमारे घर में चलने वाले पंखे और रेफ्रिजरेटर भी पहिए के कारण ही संभव हो पाया है।

1.तमिलनाडु में साइकिल सामाजिक आंदोलन कैसे बन गया?

क) बच्चों की भागीदारी से　　ख) बूढ़ों की भागीदारी से

ग) पुरुषों की भागीदारी से　　घ) महिलाओं की भागीदारी से

2. साइकिल चलाने में किन-किन महिलाओं ने रुचि नहीं दिखाई?

क) महिला खेतिहर मजदूर　　ख) पत्थर खदानों में मजदूरी करने वाली

ग) गांवों में काम करने वाली नर्सें　　घ) बुजुर्ग महिलाएं

3. साइकिल पर्यावरण के लिए किस प्रकार सुरक्षित है?

क) शोर करता है　　ख) मेहनत नहीं करनी पड़ती

ग) पेट्रोल नहीं डालना पड़ता　　घ) धुआँ नहीं छोड़ता

4. एक महिला यदि 1 दिन में 4 किलोमीटर साइकिल चलाती है तो वह जून के महीने में कितना साइकिल चलाएगी?

क) 100 किलोमीटर　　ख) 220 किलोमीटर

ग) 80 किलोमीटर　　घ) 120 किलोमीटर

5. साइकिल चलाना सीख कर तमिलनाडु की महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई महिलाओं को ऐसा क्यों लगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
2	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
5	रचनात्मक	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	महिलाओं की भागीदारी से
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	बुजुर्ग महिलाएं
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	धुआँ नहीं छोड़ती
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	120 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	पुरुषों पर निर्भरता कम हो गई तथा समय बचने के कारण परिवार की तरफ पूरा
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 7

स्रोत - पाठ्यपुस्तक वसंत भाग 3	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : अकबरी लोटा	
सीखने के प्रतिफल : 805. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। 808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। 814. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।		

लाला अपना गुस्सा पीकर पानी पीने लगे। उस समय वे छत की मुंडेर के पास ही खड़े थे। जिन बुजुर्गों ने पानी पीने के संबंध में यह नियम बनाए थे कि खड़े-खड़े पानी न पियो, सोते समय पानी न पियो, दौड़ने के बाद पानी न पियो उन्होंने पता नहीं कभी यह नियम यह भी नियम बनाया या नहीं की छत की मुंडेर के पास खड़े होकर पानी न पियो। जान पड़ता है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर उन लोगों ने कुछ नहीं कहा है। लाला झाऊलाल मुश्किल से दो-एक घूंट ही पी पाए होंगे कि न जाने कैसे उनका हाथ हिल उठा और लोटा छूट गया। लोटे ने दाएं देखा न बाएँ, वह नीचे गली की ओर चल पड़ा। अपने वेग में उल्का को लजाता हुआ, वह आँखों से ओझल हो गया।

किसी जमाने में न्यूटन नाम के किसी खुराफाती ने पृथ्वी की आकर्षण शक्ति नाम की एक चीज ईज़ाद की थी। कहना न होगा कि यह सारी शक्ति इस समय लोटे के पक्ष में थी। लाला को काटो तो बदन में खून नहीं। ऐसी चलती हुई गली में ऊँचे तिमंज़िलें से भरे हुए लोटे का गिरना

हंसी-खेल नहीं। यह लोटा न जाने किस अनाधिकारी के झोपड़ें पर काशीवास का संदेश लेकर पहुँचेगा।

1. पृथ्वी की आकर्षण शक्ति का नाम क्या है?

क) स्थितिज ख) गतिज

ग) स्थापन घ) गुरुत्वाकर्षण

2. किस खुराफाती ने पृथ्वी की आकर्षण शक्ति नाम की चीज ईजाद की थी?

क) एडिसन ख)आइंस्टाइन

ग) न्यूटन घ) आर्यभट्ट

3. लाला झाऊलाल के लोटे की कीमत रु 60 थी तो वैसे ही दो दर्जन लोटे खरीदने के लिए अभिषेक को कितने रुपए चुकाने पड़ेंगे?

क) 1420 रुपए ख) 720 रुपए

ग) 1440 रुपए घ) 120 रुपए

4. जल संचयन वर्तमान समय की आवश्यकता है। सरकार इसके लिए कौन-कौन से उपाय कर रही है?

5. जल के स्रोत विद्युत ऊर्जा के उत्पादन में किस प्रकार सहायक होते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मकता	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मकता	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	गुरुत्वाकर्षण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	न्यूटन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	1440 रुपए
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	शावर की जगह बाल्टी भरकर स्नान करना • गाँव-शहरों में तालाब फिर से खोदे जाना • गंदे जल का सिंचाई में उपयोग करना • वर्षा जल का संरक्षण करना • वृक्षारोपण कर भूजल स्तर बढ़ाना
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	जल के विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए हुए जल पर बाँध बनाकर विद्युत ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है।
	Partial Credit	नदियों पर बाँध बनाकर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 8

स्रोत - पाठ्यपुस्तक वसंत भाग 3	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - गद्यांश	उप विषय (concept) : टोपी	
सीखने के प्रतिफल : 801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। जैसे:- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर, पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। 806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे:- जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं। जैसे:- अपने मोहल्ले के लोगों से त्यौहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। 818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं। जैसे:- विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।		

एक सिपाही ने गुलेल मारकर गवरइया की टोपी नीचे गिरा दी, तो दूसरे सिपाही ने झट वह टोपी लपक ली और राजा के सामने पेश कर दिया। राजा टोपी को पैरों से मसलने ही जा रहा था कि उसकी खूबसूरती देखकर दंग रह गया। कारीगरी के इस नायाब नमूने को देखकर वह जड़ हो गया। "मेरे राज में मेरे सिवा इतनी खूबसूरत टोपी दूसरे के पास कैसे पहुँची!" सोचते हुए राजा उसे उलट कर देखने लगा । "इतनी नगीना टोपी इस मुलुक में बनाई किसने?" राजा के मन में ख्याल आया। अब तो उस हुनरमंद कारीगर की खोज़ होने लगी। राजा चाहे और पता न चले।

गिरते-पड़ते दर्जी हाजिर हुआ, "दुहाई अन्नदाता।" "इतनी बढ़िया टोपी कभी तुमने हमारे लिए क्यों नहीं बनाई?" मेघों की गड़गड़ाहट के मानिद राजा की आवाज निकली। "दुहाई अन्नदाता" दर्जी बोला। "कपड़ा बहुत उम्दा था, सरकार। एकदम गफ़श और दबीज़। "ऐसा कपड़ा किसने बुना" राजा ने कहा तो गिरते-पड़ते बुनकर हाजिर हुआ। "माफी बख्शें, सरकार"। बुनकर के ऐसा कहने पर राजा ने कहा,"माफी नहीं, वजह बताओ।" "सूत बड़ा उम्दा था सरकार, एकदम महीन और

लच्छेदार।" अब गिरते-पड़ते कोरी हाजिर हुआ और उसने डरते-डरते कहा, "रुई बहुत बेहतरीन थी सरकार, एकदम बादलों की तरह धुनी हुई।" अब राजा के हुक्म पर हाँफते, छाती पीटते धुनिया हाजिर हुआ। "खम्मा अन्नदाता" राजा गुस्से से काँप रहा था बोला, "खमा नहीं वजह बताओ, तुम चारों ने गवरइया के लिए मिलकर काम किया। हमारे लिए आज तक ऐसा काम क्यों नहीं किया?" धुनिया जमीन पर लेटकर बोला, "आपके लिए भी किया है सरकार और आगे भी करेंगे सरकार।" राजा ने कहा, "हमारे लिए अब तक किए काम में इतनी नफ़ासत क्यों नहीं थी?" "अभयदान दें, तो बोलूँ सरकार" धुनिया बोला। राजा बोले, "बताओ" "महाराज, गवराइया ने जो भी काम करवाया, उसमें आधा हिस्सा दे देती थी, इसलिए इसके काम में अपने आप नफ़ासत आती गई, सरकार।"

1. टोपी बनाने के लिए क्रमानुसार गवरइया ने किन-किन से मदद ली?

क) दर्जी-बुनकर-धुनिया-कोरी ख) धुनिया-कोरी-बुनकर-दर्जी

ग) कोरी-धुनिया-दर्जी-बुनकर घ) दर्जी-बुनकर-कोरी-धुनिया

2. यदि गवरइया ने अपना काम पूरा करवाते हुए प्रत्येक कारीगर को दूसरे से क्रमानुसार दुगुना मेहनताना दिया। उसने धुनिये को ₹30 मेहनताना दिया तो दर्जी को कितना मेहनताना दिया होगा व टोपी बनवाने का कुल खर्च कितना हुआ होगा?

क) रु 90,60 ख) रु 240,360 ग) रु 120,240 घ) रु 240,450

3. पाठ में हाथ से काम करने वाले को कारीगर कहा गया है परंतु आजकल हर काम मशीन की सहायता से होता है, ऐसे कामों की सूची बनाइए।

4. पुराने समय में राजा देश पर शासन करता था। आज हम किस प्रकार के देश में रहते हैं तथा हमारी शासन व्यवस्था कैसी है?

5. . चिड़िया टोपी बनवाने के लिए दर्जी के पास पहुंची । दर्जी को एक कमीज़ बनाने में डेढ़ घंटा लगता है और एक पैंट बनाने में 2 घंटे लगते हैं। उसे 2 कमीज़ और 3 पैंटे बननी हैं। वह चिड़िया

को बताता है कि मैं 9 घंटे से ज्यादा काम नहीं कर सकता। यदि वह 8:00 बजे घर चला गया तो उसने कार्य किस समय शुरू किया ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	रचनात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	धुनिया-कोरी-बुनकर-दर्जी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	रु 240, रु 450
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	पेन, कागज, कपड़ा, अनाज छँटाई/पैकिंग, फर्नीचर, ऑनलाइन पढ़ाई, खाना बनाना, पानी गर्म करना, एसी या हीटर द्वारा कमरा गर्म या ठंडा करना, बैंक के काम, खरीददारी के बिल आदि।
	Partial Credit	कोई पाँच काम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	भारत एक लोकतांत्रिक देश है तथा लोकतंत्र लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए बनाया गया शासन है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	सुबह 11:00 बजे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 9

स्रोत - स्वरचित	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - चित्र	उप विषय (concept) : फूलों का मेला	

सीखने के प्रतिफल :

802. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री(समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री) आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।

816. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं। जैसे:- कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना ।

(फूलों का मेला)

पुष्प सुगंध से जब, महकने लगे उपवन

हर्षित हो तब झूम लो भर लो सुगंध से तन-मन

1. चंडीगढ़ में पुष्पमेला (रोज़ फेस्टिवल) कहाँ लगता है?

2. रोज़ फेस्टिवल मेला कौन से मास में लगता है?

क) फाल्गुन ख) सावन ग) ज्येष्ठ घ) माघ

3. प्रकृति से जुड़े इस प्रकार के आयोजन हमें क्या सीख देते हैं?

4. आप रोज़ फेस्टिवल घूमने के लिए घर से निकले। आपके माता- पिता ने आपको खर्च के लिए रु 300 दिए हैं। सब के लिए कुछ न कुछ खरीदने के पश्चात तथा बस के किराए के बाद भी आपके पास कुछ रुपए बच जाए, इस प्रकार अपने खर्च की एक सूची बनाइए।

5.. रोज़ फेस्टिवल में आपको कौन-कौन से कार्यक्रम व स्टाल देखने को मिलते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
2	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	कठिन
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	अनुप्रयोग	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	रोज़ गार्डन, सेक्टर 16, चंडीगढ़
	Partial Credit	रोज़ गार्डन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	फाल्गुन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3.	Full Credit	यह हमें पर्यावरण संरक्षक बनाने का प्रयत्न करते हैं तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हैं
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	छात्र स्वयं करेंगे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	गीत संगीत का कार्यक्रम, रोज़ प्रिंस/प्रिंसेस चुनना, हजारों गुलाब की किस्में, फूलों की सजावट, बच्चों के खेल, झूले, खाने पीने की चीजों के स्टॉल
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई तीन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 10

स्रोत - इंटरनेट	कक्षा - 8	भाग - 1
प्रकार - कहानी	उप विषय (concept) : चलते चलते सीख	
सीखने के प्रतिफल : 803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। 811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे:- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।		

अनमोल अक्सर अपने पिताजी के साथ दूध लेने डेयरी पर जाया करता था।कभी साइकिल तो कभी स्कूटर पर। एक दिन पिताजी ने कहा, “आज, हम पैदल चलेंगे। अनमोल ने एकदम इंकार कर दिया। पिता जी के समझाने पर थोड़े ना-नुकुर के बाद वह तैयार हो गया। दोनों पिता-पुत्र डेयरी की ओर चल दिए। रास्ते में अनमोल ने देखा कि एक बिल्ली पेड़ पर बैठी हुई है और नीचे कुत्ता भोक रहा है। अनमोल ने पिताजी से पूछा, “बिल्ली पेड़ पर क्यों बैठी है।” तब पिताजी ने बताया, “कुत्ते से बचने के लिए, क्योंकि कुत्ता पेड़ पर नहीं चढ़ सकता।” “अरे वाह! बिल्ली ने तो खूब अक्ल लगाई।” पिताजी कहते हैं, “अब जरा ध्यान से चलना। हमें सड़क पार करनी है।” अनमोल ने कहा, “ जी पिताजी, मेरे विद्यालय में हमें सिखाया गया है कि सड़क पार करते समय दोनों तरफ ध्यान से देखकर सड़क पार करनी चाहिए।

दोनों ने सड़क पार की। डेयरी से दूध लिया और घर वापिस पहुंच गए। अनमोल ने बहुत उत्साहित होकर कहा,“मम्मी, आज का दिन बड़ा मजेदार रहा। मैंने, पहली बार कुत्ते के डर से पेड़ पर बैठी हुई बिल्ली देखी क्योकि कुत्ते पेड़ पर नहीं चढ़ सकते। यह बात मुझे आज ही पता चली। क्या आपको मालूम है कि आज मैं डेयरी तक पैदल गया और पैदल ही वापिस आया हूँ। मुझे बहुत अच्छा लगा।” मम्मी ने कहा,“पैदल चलना तो स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इस से

पैसों की बचत होती है और प्रदूषण भी नहीं होता, शोर भी नहीं होता।" अनमोल ने कहा, "अब तो मैं रोज पैदल ही जाऊंगा।"

1. इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?

क) सब तरफ प्रदूषण है। ख) बिल्ली कुत्ते से डरती है।

ग) दूध डेयरी से लेना चाहिए। घ) पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

2. सड़क किस प्रकार पार करनी चाहिए?

क) धीरे-धीरे ख) दौड़कर

ग) आँखे मूँद कर घ) दोनों तरफ देखकर

3. अनमोल अपने घर से दूध की डेयरी जाता है। घर से निकलते समय उसका मुँह पूर्व दिशा की ओर था। 100 मीटर चलने के बाद वह अपने दाएं ओर मुड़ा और आगे चलकर फिर से दाएं मुड़ गया, 50 मीटर चलने के बाद वह बाँई ओर मुड़ गया। सामने ही डेयरी थी। बताओ, अब अनमोल किस दिशा की ओर देख रहा है?

क) उत्तर ख) पूर्व ग) दक्षिण घ) पश्चिम

4. अनमोल के पिताजी रोज 3 लीटर दूध खरीदते है। आज उन्होंने 3½ लीटर दूध खरीदा और दुकानदार को रु 203 दिए। बताए, प्रति लीटर दूध का भाव क्या है?

क) 57 ख) 58 ग) 59 घ) 60

5. अनमोल की मम्मी ने बताया था कि पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। कैसे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	सरल
2	अनुप्रयोग	बहुविकल्पीय	सरल
3	अनुप्रयोग	तार्किक	कठिन
4	विवेचन	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1	Full Credit	पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	दोनों तरफ देखकर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	उत्तर दिशा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	ख) 58
	No Credit	अन्य विकल्प
5	Full Credit	इससे पैसों की बचत होती है, प्रदूषण नहीं होता तथा किसी प्रकार का शोर भी नहीं होता।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर